



ग्राम रबेली में कांवड़ियों का भव्य स्वागत
बिजई। ग्राम रबेली की जय महामाया समिति बोल बम के संदेश से गूंज खेली समस्त ग्रामवासी कांवरियों की भव्य स्वागत ग्राम रबेली की जय महामाया समिति कांवरियों की टोली अमरकंटक से पवित्र जल लेकर भोरमदेव मन्दिर पहुंची। जहां कांवड़ियों ने भोलेनाथ बाबा की पूजा अर्चना कर मां नर्मदा के पवित्र जल से जलाभिषेक किया और सभी की खुशहाल व सुख शांति की कामना की। तत्पश्चात भोरमदेव से कवर्धा के पंचमुखी बुढ़ा महादेव मंदिर में कांवड़ियों ने जलाभिषेक किया। जलाभिषेक के बाद कांवड़ियों की टोली ग्राम रबेली पहुंची जहां ग्रामीणों ने कांवड़ियों का गाजे बाजे के साथ भव्य स्वागत किया।

स्वछाग्रहियों ने चलाया घर-घर संपर्क अभियान
स.लोहारा। जनपद पंचायत लोहारा अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरेंद्रनगर ने स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहल की है। यहां ग्रामीणों ने सुप्रीमकोर्ट के निर्देश एवं शासन द्वारा चलाये जा रहे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 को शत-प्रतिशत लागू करने का संकल्प लिया है। पंचायत द्वारा चलाए जा रहे घर-घर संपर्क अभियान के तहत वार्ड पंचों एवं स्वछाग्रहियों ने गांव के प्रत्येक घर में जाकर नागरिकों को गीला, सूखा, सेनेटरी एवं विशेष कचरा अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित किया।

नियम

मोगरा देवी वैष्णव

कुण्ड। ग्राम सेहामाठा स्थित श्री

राधा कृष्ण मंदिर के मुख्य पुजारी मागीरथी वैष्णव, जिला अध्यक्ष वैष्णव समाज एवं किसान मोर्चा मण्डल मंत्री रामायण वैष्णव, पूर्व पार्षद दिनेश वैष्णव की माता श्रीमती मोगरा देवी का 90 वर्ष की आयु में आधु में खबर

पीएम श्री सेजेस बोड़ला में तिरंगा यात्रा का आयोजन



हरिभूमि न्यूज़ ►►बोड़ला
 राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों में देशभक्ति एवं नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल, बोड़ला में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राएं हाथों में शान से लहराता राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों एवं उत्साह के साथ सहभागिता करेंगे। यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के त्याग एवं बलिदान तथा राष्ट्र की एकता और अखंडता के महत्व से अवगत कराया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा भारत माता की जय, वंदे मातरम, जय हिंद जैसे देशभक्ति के नारों के साथ लोगों को राष्ट्रप्रेम, सामाजिक एकता एवं आपसी भाईचारे का संदेश दिया जाएगा। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य केवल एक आयोजन तक सीमित न रहकर

हरेली तिहार पर ग्रामीण अंचलों में दिखी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की रंगत

हरिभूमि न्यूज़ ►►कवर्धा

श्रावण मास की अमावस्या को मनाया जाने वाला छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा का पहला प्रमुख पर्व हरेली बुधवार को कवर्धा नगर सहित पूरे जिले में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व की रौनक नगरीय क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण अंचलों में अधिक दिखाई दी। गांवों में कृषकों, महिलाओं, बच्चों और युवाओं ने अपनी-अपनी परंपराओं के अनुसार हरेली पर्व मनाया। किसानों ने कृषि कार्य में उपयोग होने वाले उपकरणों और पशुधन की पूजा-अर्चना कर अच्छी फसल और सुख-समृद्धि की कामना की। हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति और लोक जीवन से गहराई से जुड़ा पर्व है। श्रावण मास के आगमन के साथ ही मिट्टी की सौंधी खुशबू के बीच त्योहारों का सिलसिला शुरू हो जाता है। हरेली इसी श्रृंखला का पहला पर्व माना जाता है। इस दिन किसान अपने कृषि उपकरणों की साफ-सफाई कर उनकी विधिवत पूजा करते हैं। वहीं पशुधन को भी स्नान कराने के बाद पूजा-अर्चना की जाती है। घरों में गुड़हा चिला और गुलगुला जैसे पारंपरिक पकवान बनाए गए तथा पूजा के बाद प्रसाद चढ़ाया गया। हरेली पर्व पर बच्चों में गेंड़ी को लेकर खासा

उत्साह रहा। गांवों में कई दिन पहले से ही बांस की गेंड़ी तैयार की गई थी। पर्व के दिन बच्चे गेंड़ी पर चढ़कर गलियों और आसपास के क्षेत्रों में घूमते नजर आए। वहीं युवाओं ने नारियल फेंकने की पारंपरिक प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपने बाहुबल का प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। हरेली पर्व में महिलाओं की भी विशेष भूमिका रही। घर-परिवार को बाहरी बाधाओं से सुरक्षित रखने की लोक मान्यता के तहत महिलाओं ने घर की दीवारों पर गोबर से तांत्रिक वीरों की आकृतियां उकेरीं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी इस परंपरा का विशेष महत्व है। महिलाओं ने घर की साफ-सफाई के साथ पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। हरेली के अवसर पर पशुधन की सेवा करने वाले यादव समाज के लोग भी अपनी पारंपरिक भूमिका निभाते हैं। वे पशुओं को विभिन्न बीमारियों से बचाने की लोकमान्यता के तहत नीम और अन्य जंगली वनस्पतियों की डालियां गौशाला तथा घर के दरवाजे पर खोंचते हैं। इसके बदले पशुपालक परिवारों की ओर से उन्हें अनाज और रुपये उपहार स्वरूप दिए जाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह परंपरा आज भी जीवंत है और हरेली के दिन गांवों में इसका विशेष नजारा देखने को मिलता है।



कृषि संस्कृति से जुड़ा है हरेली का पर्व
 ग्रामीणों का कहना है कि हरेली मूल रूप से कृषि पर आधारित पर्व है। कृषि कार्य के एक महत्वपूर्ण चरण के पूरा होने पर किसान अपने औजारों और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनकी पूजा करते हैं। यह पर्व प्रकृति, खेती, पशुधन और ग्रामीण जीवन के बीच गहरे संबंध को दर्शाता है। बदलते समय के बावजूद जिले के ग्रामीण अंचलों में हरेली की पारंपरिक रंगत आज भी बरकरार है।

पशुओं की सुरक्षा की परंपराएं

ग्रामीणों के अनुसार हरेली पर्व पर पशुओं की सुरक्षा के लिए कई पारंपरिक मान्यताएं भी जुड़ी हुई हैं। मिट्टी के काले पात्र को पहरा में बंदन और तेल तथा अर्जुन के बारह नाम लिखकर गौशाला में टांगने की परंपरा कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी प्रचलित है। मान्यता है कि इससे पशुओं को खुरहा जैसी बीमारी से बचाव होता है। इसी तरह कोठा में नारियल बांधने की परंपरा भी बिभाई जाती है। हरेली मूल रूप से कृषि पर आधारित पर्व है। कृषि कार्य के एक महत्वपूर्ण चरण के पूरा होने पर किसान अपने औजारों और पशुधन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते उनकी पूजा करते हैं।

गांव की सीमा पर की जाती है पारंपरिक रस्म

हरेली पर्व से जुड़ी लोक मान्यताओं में गांव की सुरक्षा की परंपरा भी शामिल है। ग्रामीणों के अनुसार गांव के बैगा और तांत्रिक गांव की सरहद पर पारंपरिक तांत्रिक क्रियाएं कर गांव को बाहरी बाधाओं से सुरक्षित रखने की रस्म निभाते हैं। हरेली की रात को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में कई तरह की लोक मान्यताएं प्रचलित हैं। इसी कारण कुछ ग्रामीण परिवार इस रात अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचते हैं।

गुड़हा चिला व गुलगुला का लगा भोग

हरेली पर्व पर घरों में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पकवान गुड़हा चिला और गुलगुला बनाए गए। कृषकों ने कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजा-अर्चना के बाद इन पकवानों का भोग लगाया। ग्रामीणों में अच्छी बारिश, भरपूर फसल, पशुधन की सुरक्षा और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

2028 तक टेट से छूट के बावजूद पदोन्नति के लिए टेट अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज़ ►►कवर्धा

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में आयोजित विशेष बैठक के निर्णयों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए शिक्षकों की पदोन्नति प्रक्रिया में टेट की अनिवार्यता बताने को नियम विरुद्ध बताया है।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने कहा कि प्रदेश भर के प्राथमिक स्कूलों में कार्यरत सहायक शिक्षक और मिडिल स्कूलों के शिक्षक इस उम्मीद में थे कि विभाग उनकी रुकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया की पूर्ण करने के लिए विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने का ठोस निर्णय लेगा, लेकिन इसके विपरीत टेट की आड़ में पदोन्नति में नई बाधाएं उत्पन्न किया जा रहा है। वर्तमान में प्रभावी शिक्षक भर्ती एवं पदोन्नति नियम में पदोन्नति के लिए टेट की कोई अनिवार्यता नहीं है। विभाग की बैठक में इसे अनिवार्य बताना व भर्ती नियमों से हटकर निर्देश जारी करना परस्पर विरोधी और शिक्षकों के साथ अन्याय है। शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण करने के लिए वर्ष 2028 तक की समय सीमा दिया गया है, इसके बावजूद 2028 से पूर्व होने वाली पदोन्नति प्रक्रिया में टेट के नाम पर विरिष्ट शिक्षकों को दरकिनार करना पूरी तरह अनुचित है। इसके कारण भविष्य में गंभीर न्यायिक जटिलताएं और कोर्ट केस की स्थिति बनेगा। वर्तमान में शिक्षकों को वरिष्ठता सूची के आधार पर पदोन्नति देकर वर्ष 2028 तक टेट उत्तीर्ण करने का समय व

निर्देश दिया जावे। शिक्षकों को अवसर प्रदान करने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा तत्काल विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन किया जावे ताकि सभी शिक्षक इसमें शामिल हो सकें।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी, असकरण धुर्वे, उग्रसेन

चन्द्रवंशी, हेमलता शर्मा, रविंद्र चन्द्रवंशी, केशलाल साहू, वकील बेग मिर्जा, बलदाऊ चंद्राकर, गोकुल जायसवाल आदि ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नियमों से परे जाकर शिक्षकों के पदोन्नति अधिकारों का हनन किया गया, तो प्रदेश भर के शिक्षक इसका कड़ा विरोध करेंगे। विभाग को चाहिए कि वह विसंगतियों को दूर कर वरिष्ठता क्रम में शीघ्र पदोन्नति आदेश जारी करे।

एसोसिएशन डीईओ को आज सौंपेगा ज्ञापन

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार चन्द्रवंशी ने बताया की 13 अगस्त को अपराह्न 4.30 बजे जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रदेश के शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव के नाम ज्ञापन सौंपकर पदोन्नति के लिए 2028 तक टेट से छूट देने, विभागीय टेट परीक्षा आयोजित करने आदि की मांग किया जायेगा। इसके साथ ही उच्च परीक्षा की अनुमति, सेवपुरितका सरप्रायज की स्थिति, सौजीयोएफ में डीडीआ का हस्ताक्षर सहित अन्य स्थानीय समस्याओं पर चर्चा किया जायेगा। उन्होंने जिले के शिक्षकों से डीईओ कार्यालय कवर्धा में समय पर उपस्थिति का आवहन किया है।

कांवड़ियों के लिए जलेश्वर महादेव घाट डोंगरिया में स्वास्थ्य कैंप का आयोजित

हरिभूमि न्यूज़ ►►पाण्डातराई

शिव सेवक संत बलजीत सिंह सानिध्द में इस वर्ष पूरे भारत में 90 कांवड़ मंडिकल कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विश्व मानव रहानी केंद्र शाखा नागपुर की ओर जलेश्वर महादेव डोंगरिया घाट , प्रत्येक कैंप में निःशुल्क स्वास्थ्य मंडलण, टीम की उपलब्धता,

कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों को निःस्वाथ सेवा प्रदान करना हैं ।



प्राथमिक उपचार, भोजन एवं फलाहार की व्यवस्था रहेगी, ताकि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यह सेवाएं 10 अगस्त से लेकर 17 अगस्त 2026 तक जारी रहेगी। कैंप के दौरान स्वच्छता एवं सुरक्षा का पूरी तरह से ध्यान रखा गया है। सभी सेवादार और कैम्प प्रमुख अपनी सेवा के प्रति तत्पर हैं।

औद्योगिक केंद्र की सड़क डामर तेल फैक्ट्री पर उठे सवाल, जांच व प्रदूषण नियंत्रण की मांग धुएं के गुबार और बदबू से ग्राम हरिनछपरा क्षेत्र के ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज़ ►►बरबसपुर

हरिनछपरा औद्योगिक केंद्र में संचालित सड़क डामर तेल फैक्ट्री से निकल रहे धुएं और तेज बदबू को लेकर आसपास के ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जा रही है। जिला मुख्यालय से करीब 8 किलोमीटर दूर स्थित इस फैक्ट्री में पुराने व टूटे-फूटे टायर, ट्यूब और रबर को गर्म कर सड़क निर्माण में उपयोग होने वाला तेल तैयार किया जाता है। निर्माण प्रक्रिया के दौरान फैक्ट्री से धुएं के बड़े-बड़े गुबार निकलने का ग्रामीणों ने दावा किया है। उनका कहना है कि धुएं के साथ बदबूदार गैस आसपास के वातावरण में फैल रही है, जिससे प्रदूषण और स्वास्थ्य को लेकर आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक फैक्ट्री में उत्पादन शुरू होने के बाद आसपास के इलाकों में धुएं की समस्या अधिक महसूस होती है। हवा के साथ धुआं खेतों और ग्रामीण बस्तियों तक पहुंच जाता है। इससे सड़क से गुजरने वाले राहगीरों के अलावा खेतों में काम करने वाले

किसानों को भी परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना है कि धुएं के कारण वातावरण में काफी तेर तक बदबू बनी रहती है। हरिनछपरा के किसान और ग्रामीण नागरिक जलेश बघेल, राजू चतुर्वेदी, रामेश्वर लहरे, टिकेश्वर सिंहा और गोरैलाल सिंहा ने बताया कि फैक्ट्री से कई बार गुब्बारे जैसे धुएं के गुबार निकलते दिखाई देते हैं। धुआं काफी बदबूदार होता है और हवा के साथ दूर तक फैल जाता है। ग्रामीणों ने कहा कि औद्योगिक गतिविधियां और रोजगार जरूरी हैं, लेकिन इसके साथ पर्यावरण संरक्षण और लोगों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से फैक्ट्री में अपनाई जा रही निर्माण प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि मौके पर पहुंचकर यह देखा जाना चाहिए कि प्रदूषण नियंत्रण के निर्धारित मानकों और सुरक्षा उपायों का पालन हो रहा है या नहीं। साथ ही फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं की नियमित निगरानी की व्यवस्था किए जाने की भी मांग की गई है।

क्षेत्र के ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से की धुएं की नियमित निगरानी की मांग



ग्रामीणों ने कहा कि यदि जांच में नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो जिम्मेदारों पर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। उनका कहना है कि समय रहते प्रदूषण की

समस्या पर ध्यान देकर उचित नियंत्रण उपाय किए जाएं, ताकि आसपास के पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य पर संभावित प्रतिकूल प्रभाव को रोका जा सके।

खबर संक्षेप

खैरझिटी खुर्द स्कूल में मनाये हरेली का त्यौहार



कोलेगांव। हरेली तिहार छत्तीसगढ़ के पहिली अउ सबसे महत्तम लोक परब आया। ये परब हर साल सावन महीना के अमावस्या के दिन मनाये जाथे। हरेली परब प्रकृति, खेती-किसानी अउ गोधन के प्रति आभार जताय के परब आया। ये दिन किसान अपन खेती-किसानी के औजार अउ पशुधन के पूजा करथें। लइका मन अउ जवान मन बाँस ले बने गेड़ी में चढ़के खुशी मनाथे। हरेली तिहार के मुख्य परंपरा अउ महत्तम ये दिन खेती-किसानी के औजार के पूजा हरेली के दिन हल, कुदाल, गैंती, टंगिया जइसने खेती के औजार मन ला धो-पोंछ के साफ करथें अउ विधि-विधान ले पूजा करथें। ये खेती-किसानी में औजार के महत्तम ला बताथे ये दिन पशुधन मन स्वस्थ अउ सुखी रहंय, एही के कामना करे जाथे। लइका मन गेड़ी बनवा के मजा लेथे हरेली के दिन छत्तीसगढ़ी पकवान घर-घर में गुड़हा चीला, गुलगुला भजिया, ठेसवा जइसने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पकवान बनाय जाथे। परिवार अउ संगी-साथी मन मिल-जुल के इनकर आनंद लेथें। हरेली के दिन आपसी भाईचारा अउ लोक संस्कृति के भावना मजबूत होथे। हरेली सिरिफ एक तिहार नई आय, बल्कि ये छत्तीसगढ़ के खेती-किसानी, प्रकृति-प्रेम, गोधन के प्रति मया अउ लोक परंपरा के सुंदर पहचान आया। ये परब हमन ला अपन माटी, संस्कृति अउ परंपरा ले जुड़ाय रखे के संदेश देथे। इही कड़ी म प्राथमिक शाला खैरझिटी खुर्द में हरेली के तिहार मनाए गिस जेनमा पढ़इया लइका मन के महतारी मन रख राई के पता ले आनि बानी के चित्र ल बनाइस, चित्र ल देख के उखर खुशी के पता लागत रहिस, उखर कहना रहिस की जब ले योगी गुरुजी आये हे लइका अउ स्कूल दुनो ह अब्बड़ शुग्घर लागे लगे हे, महारती मनखे मन अब्बड़ खुश दिखिन। स्कूल के हरेली में एस्पएमसी के उपाध्यक्ष प्रीति अउ रीना, दुर्गा, यशोदा, चमेली, कविता, बड़िका, सुमन , दुर्गेश्वरी और शाला के पढ़इया चन्द्रशेखर शर्मा अउ मनखे म घलो भाग लेईस।

शासकीय पीएम श्री सेजस पिपरिया में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन



पिपरिया। शासकीय पीएम श्री सेजस पिपरिया में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए क्रि़मि नाशक का सेवन किया इस विशेष अभियान का आयोजन बच्चों के पेठ में हानिकारक क्रीमी से मुक्ति दिलाने और उसके समग्र विकास एवं पोषण में सुधार लाने के उद्देश्य किया गया डॉक्टर विनोद चंद्रवंशी ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि राष्ट्रव्यापी पहल का मुख्य उद्देश्य 01 से 19 वर्ष की आयु के सभी बच्चों और किशोर को पेठ की हानिकारक क्रि़मि संक्रमण से मुक्त करना है पेठ में कृमि होने से बच्चों के शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं मिल पाते जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर प्रतिक्रिया प्रभाव पड़ता है कृमि नियंत्रण के माध्यम से बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है उसका पोषण स्तर बेहतर होता है वह बीमारियों से दूर रहकर अपनी पढ़ाई एवं अन्य गतिविधियां कर पाते उन्त अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष घूरूवा राम साहू उपाध्यक्ष शिवचरण पटेल पार्षदगण सीएमएमे नेताम प्रचार्य विनोद चंद्रवंशी वरिष्ठ व्याख्याता के एल सिंगरली पूर्व प्रचार्य नंदकुमार शर्मा, देवकी नेताम, वीरेंद्र भूआर्य, मानिक सोनी के साथ-साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

शासकीय विद्यालय कंझेरा में बच्चों को खिलाई गई कृमि मुक्ति की गोली



कोलेगांव। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कंझेरा में छात्र-छात्राओं को कृमि नियंत्रण की दवाई एल्बेंडोजोल खिलाई गई। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों को स्वास्थ्य व पोषण के प्रति जागरूक करना और उन्हें कृमि कीड़ों से मुक्त रखना है। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल के प्राचार्य संजय वेण्पाव, प्रधान पाठक हीराराम चंद्रवंशी, श्रीमती नंदनी लॉडेकर की देखरेख में हुई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की टीम और स्कूल के शिक्षकों ने बच्चों को गोली खाने के फायदे बताए। बच्चों को समझाया गया कि कृमि संक्रमण से बचाव के लिए स्वच्छता कितनी जरूरी है, जैसे भोजन से पहले हाथ धोना और साफ पानी पीना। स्कूल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार कक्षा पहली से बारहवीं तक के कुल पांच से अधिक छात्र-छात्राओं को दवा का सेवन कराया गया। जो बच्चे आज किसी कारणवश स्कूल नहीं आ पाए, उन्हें मॉप-अप राउंड के तहत आगामी तिथि को दवा खिलाई जाएगी। इस दौरान स्कूल का स्टफ, श्रीमती शिवानी अर्जुन चंद्रवंशी, श्रीमती लता, श्रीमती सुपमा, स्वास्थ्य कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

सेवानिवृत्ति पर प्राचार्य जगजीवन राम साहू और शिक्षिका चंद्रिका मनोत्तर को विदाई

हरिभूमि न्यूज ►► बेमेतरा/ नांदघाट

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंरा, विकासखंड नवागढ़ के प्राचार्य जगजीवन राम साहू एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला की शिक्षिका चंद्रिका मनोत्तर के सेवानिवृत्त होने पर संकुल कुंरा में भावोत्तरी के सेवानिवृत्त एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

विद्यार्थियों ने अतिथियों के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दिव्या दास बघेल रहे। , जनपद पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष खोबाहारा राम साहू एवं उपाध्यक्ष माया हीरा बारले उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं जनप्रतिनिधियों,



एसएमसी अध्यक्ष, पालक समुदाय तथा विद्यालय परिवार की ओर से दोनों सेवानिवृत्त शिक्षकों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

42 वर्ष 4 माह की शिक्षकीय सेवा को किया याद

विदाई बेला में प्राचार्य जगजीवन राम साहू ने अपने सेवाकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि उन्होंने 42 वर्ष 4 माह तक शिक्षकीय

मूरता समिति में पखवाड़े से खाद संकट, पांच गांवों के सैकड़ों किसान परेशान

हरिभूमि न्यूज ►► नवागढ़

नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र की सेवा सहकारी समिति मूरता में पिछले पखवाड़े से खाद की कमी की समस्या बनी हुई है। किसानों के अनुसार 26 जुलाई से समिति में खाद उपलब्ध नहीं होने के कारण पांच गांवों के सैकड़ों किसान परेशान हैं। खरीफ फसल के महत्वपूर्ण दौर में खाद नहीं मिलने से किसानों को रोज समिति के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। वहीं जरूरतमंद किसान खुले बाजार से अधिक कीमत पर खाद खरीदने को मजबूर हैं। मामले को लेकर किसान लक्ष्मीकांत ठाकुर ने कलेक्टर कार्यालय में जानकारी देने के साथ

26 जुलाई से खाद नहीं मिलने का दावा, किसान खुले बाजार से महंगे दान पर खरीदने को मजबूर

कर्मचारी की गिरफ्तारी के बाद बड़ी परेशानी

मूरता सेवा सहकारी समिति में किसानों के लेनदेन में कथित फर्जीवाड़े के मामले में नवागढ़ पुलिस द्वारा एक कर्मचारी को गिरफ्तार किए जाने और एक अन्य कर्मचारी के फरार होने की जानकारी सामने आई है। किसानों के अनुसार फरार कर्मचारी के पास खाद वितरण से संबंधित आवश्यक मशीन और प्रक्रिया होने के कारण खाद वितरण प्रभावित हो रहा है। किसानों ने मामले की जांच के साथ तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कर खाद उपलब्ध कराने की मांग की है।



आठ माह से वेतन नहीं मिलने की भी बात

इधर सेवा सहकारी समितियों के कर्मचारियों की आर्थिक परेशानी का मामला भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि धान खरीदी के बाद धान में नमी-कमी के हिस्सा-किताब और अन्य प्रक्रियाओं के चलते ब्लॉक की लगभग सभी समितियों के कर्मचारियों को करीब आठ माह से वेतन नहीं मिला है। लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों में भी मायूसी है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि मूरता समिति में तत्काल खाद उपलब्ध कराने के साथ वितरण व्यवस्था सुचारु करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि किसानों को खुले बाजार से महंगे दाम पर खाद खरीदने के लिए मजबूर न होना पड़े।

आयोजन : तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक

भाजपा मंडल की बैठक, आज तिरंगा यात्रा



हरिभूमि न्यूज ►► बेरला

भारतीय जनता पार्टी बेरला मंडल की मासिक बैठक एवं आगामी तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, बूथ सशक्तीकरण, आगामी कार्ययोजना तथा तिरंगा यात्रा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष डोमैन्द्र सिंह राजपूत ने कार्यकर्ताओं से संगठन की और अधिक मजबूत बनाने के लिए बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाई जाए तथा संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत किया जाए। मुख्य अतिथि

एवं पूर्व विधायक अवधेश सिंह चंदेल ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार की महती योजनाओं के साथ भाजपा के विचार और सिद्धांतों को भी जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने आगामी तिरंगा यात्रा को प्रत्येक शक्ति केंद्र में उत्साह के साथ आयोजित करने की अपील की। चंदेल ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। प्रत्येक बूथ से तिरंगा यात्रा निकालकर आजादी का जश्न मनाया जाए और इसमें समाज के हर वर्ग के नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

भाजपा बेरला मंडल द्वारा 13 अगस्त को नगर पंचायत बेरला में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। पार्टी पदाधिकारियों ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर तिरंगा यात्रा

को सफल बनाने की अपील की है। बैठक में जिला पंचायत सभापति प्रीतम सिंह चंदेल, नगर पंचायत बेरला अध्यक्ष विशाल राज देशलहरे, विधायक प्रतिनिधि अमृत लाल माहेश्वरी, रघुवीर सिंह, रोहित माहेश्वरी, नारायण पटेल, थानेश्वर साहू, यतीश द्विवेदी, युगल पाटिल, राजू साहू, जगदीश कुरें, शैलेंद्र वर्मा, सीमा वर्मा, सिंपू परगनिहा, हेमकुमार मंडावी, रमेश सिंह, अरविंद सिंह राजपूत, होलू साहू, खम्मन श्रीवास, इंदल सिंह, मनोज ठाकुर, किसुन साहू, डामन साहू, रमेश साहू, उकेंद्र साहू, ताराचंद साहू, बलराम सिवारे, बलराम यादव सहित प्रदेश, जिला एवं मंडल पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, शक्ति केंद्र संयोजक-सह संयोजक, बूथ अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेज 9 के शेष

बारिश में सब्जियों के ...

सब्जियों की मांग बनी हुई है, लेकिन उसके अनुपात में आवक नहीं हो रही है। मांग और आपूर्ति के इसी असंतुलन ने कीमतों को बढ़ा दिया है। व्यापारियों के अनुसार बारिश का दौर लंबा खिंचने पर आवक और प्रभावित हो सकती है, जिससे आने वाले दिनों में कीमतों में और उछाल की संभावना है।

गृहणियों का ...

तक सब्जियों की आपूर्ति का गणित बिगाड़ दिया है। इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है और आम आदमी की थाली में महंगाई का स्वाद बढ़ता जा रहा है।

सट्टा-पट्टी लिखने वाले समेत ...

प्रभारी साजा निरीक्षक जनक साहू, उप निरीक्षक असीम कर्तिनिया, साइबर सेल के प्रधान आरक्षक योगेश यादव, आरक्षक नुरेश वर्मा, जयकिशन साहू, रेखन साहू, मुकेश माहिरे तथा थाना साजा के आरक्षक रामानुज जायसवाल, राजू यादव सहित साइबर सेल और थाना साजा के पुलिसकर्मीयों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ममतामयी मिनीमाता के

लिए नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मंत्री बघेल ने कहा कि समाज को मिनीमाता के बताए मार्ग पर चलते हुए एकता, भाईचारे और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना होगा। उनके आदर्शों को केवल स्मरण करने तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि उन्हें अपने जीवन और सामाजिक व्यवहार में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बेमेतरा-कवर्धा हरिभूमि 11

सीएम हेलपलाइन में शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि एक कर्मचारी की कथित लापरवाही का खामियाजा पांच गांवों के किसानों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने खाद वितरण व्यवस्था प्रभावित होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर किसानों की समस्या को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया है। किसानों का कहना है कि खाद की जरूरत के समय उपलब्धता नहीं होने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। कई किसान खेत का काम छोड़कर समिति पहुंच रहे हैं, लेकिन खाद नहीं मिलने पर उन्हें निराश लौटना पड़ रहा है। तत्काल जरूरत वाले किसान मजबूरी में खुले बाजार का रुख कर रहे हैं।

भावना बोहरा व कांवड़ियों ने यात्रा के तीसरे दिन किया पंडरिया में प्रवेश



पण्डरिया। माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव तक 151 किलोमीटर की कांवड़ पदयात्रा के तीसरे दिन विधायक भावना बोहरा और उनके साथ इस यात्रा में सहभागी लगभग 500 कांवड़ यात्रियों की यात्रा वन ग्राम महामाई खुड़िया से गौरकांपा तक बोल बम के गगनभेदी जयघोष के साथ प्रारंभ हुई। पंडरिया विधायक भावना बोहरा के नेतृत्व में कांवड़ यात्रियों ने दुर्गम जंगलों, पथरीली पगडंडियों और नदी के प्रवाह को पार करते हुए पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ यात्रा को आगे बढ़ाया। यात्रा के तीसरे दिन प्रकृति ने कांवड़ यात्रियों की दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प की परीक्षा ली। कहीं घने जंगलों के बीच कठिन पगडंडियां सामने आईं, तो कहीं पथरीले रास्तों और कमर तक नदी के प्रवाह को पार करना पड़ा। परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण थीं, लेकिन किसी भी कांवड़ यात्री के कदम नहीं रुके। हर बाधा को पार करते हुए श्रद्धालु लगातार आगे बढ़ते रहे और आज विधायक भावना बोहरा और कांवड़ियों ने पंडरिया विधानसभा में प्रवेश किया। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा यह यात्रा मेरे लिए केवल 151 किलोमीटर की पदयात्रा नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि और सर्वमंगल की कामना के लिए किया गया एक संकल्प है।

रामस्वरूपाचार्य महाराज का माकरी में आगमन

हरिभूमि न्यूज ►► कोलेगांव

कामदगिरी पीठाधीश्वर श्री जगद्गुरु रामानंदचार्य स्वामी श्री रामस्वरूपाचार्य महाराज का आज कबीरधाम जिले के ग्राम माकरी कुण्डा में आगमन होगा। महाराज दोपहर 5 बजे पंच कैलाशी पं. राजेश शुक्ला के निवास पहुंचेंगे। वही महाराज श्री पंच कैलाशी पं. राजेश शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती मंजुलता शुक्ला के आकस्मिक निधन पर शोकाकुल परिवार से



भेंटकर अपनी संवेदना व्यक्त करेंगे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उनके आगमन को लेकर परिजनों एवं श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। माकरी प्रवास के पश्चात

महाराज अमरकंटक धाम के लिए रवाना होंगे। वहां मां नर्मदा जी के उद्गम स्थल पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होकर असंख्य शिवलिंग निर्माण एवं सहस्रलिंग शिव अभिषेक में सहभागिता करेंगे। धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। महाराज श्री के माकरी आगमन को लेकर स्थानीय श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों द्वारा तैयारियां की जा रही हैं।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHIKARMA | PILES | PEDIAT | GYN&E | SKIN

छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरों का हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित

प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरंत प्रीतिपूर्ति

9 टोकेटर - 7 ब कमल विलर, रायपुर (छ.ग.) 9 सिटी सेंटर- कुष्मा टॉकीय के समने, 95224 66664, 62622 22003 समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666

9 मिलाई लेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व),एससीआई बैंक के पास, मिराई(छ.ग.) 95224 66605

समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज

- हड्डी एवं जोड़ों का दर्द
- नर्वों का रोग
- मानसिक रोग
- त्वचा एवं बालों का रोग
- स्त्री रोग
- मूत्र संबंधी रोग
- मधुमेह (डायाबिटीस)
- मेनो रोग
- किडनी संबंधी रोग
- पेट संबंधी तिकाट
- वायरदाइड
- मांसपेशी का रोग
- अस्थिमा
- गोटापा
- मल द्वारा रोग विशेषज्ञ

(MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल

मेरिनदी, विन्ड्रेस एवं सजिकल हॉस्पिटल

उत्कृष्ट सुविधाएं

- गर्भवती महिलाओं को संपूर्ण जांच व परामर्श
- जर्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
- एच वल्वेटानी का ऑपरेशन व नवसिडी
- सर्वतुल्यिधायुतल PICU, NICU, OT

बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्बिया, हाईड्रोसेल, सरकम सीजन की सुविधा

आयुजान कर्ट और CSEB से केरालेत उपचार, TPA की सुविधा

अब मोतिया-बिन्द की सर्जरी से डरना छोड़िए!

अनुभवी फेको सर्जन

बिना इंजेक्शन

बिना टांके

बिना पट्टी

MICS तकनीक से सुरक्षित एवं आरामदायक सर्जरी

तेज रिकवरी, तुरंत घर वापसी कम समय में सर्जरी

प्रीमियम MULTIFOCAL / EDOF लेंस उपलब्ध

बिना इंजेक्शन के आई ड्रॉप से सर्जरी

डॉ. दिलीप लालवानी
जेन डीन विलिज
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
KANDHOLA EYE HOSPITAL, LONDON
KANDHOLA EYE HOSPITAL, CHANDIGARH
(AAO MEMBER)

9009553889, 9090204620
एकता नगर, अमरेश्वर चौक के पास, युक्तिवारी रायपुर नगर - मातृ स्मृति नगर बाजार, मातृमती गेटि के समने, युक्तिवारी, रायपुर

एडवांस यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

ख़बर संक्षेप



हरेली पर सुकुलपारा
मुक्तिधाम में पौधरोपण
नवागढ़। हरेली पर्व के अवसर पर सुकुलपारा मुक्तिधाम परिसर में पर्यावरण संरक्षण और पूर्वजों की स्मृति को समर्पित पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वयोवृद्ध रामनाथ ध्रुव के नेतृत्व में आंवला, बरगद, पीपल, अशोक और बेल के पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम के माध्यम से 'एक पेड़ पूर्वजों के नाम' का संदेश दिया गया। इस दौरान दिवंगत परिजनों की स्मृति में मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आंजनेय धर दीवान ने अपने दादा स्व. प्रकाश धर दीवान एवं स्व. प्रशांत धर दीवान की स्मृति में पौधा लगाया। रामनाथ ध्रुव ने कहा कि पौधारोपण का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को हरिद्व हवा और छाया उपलब्ध कराना है। पूर्वजों की स्मृति में पौधारोपण की यह परंपरा भविष्य में भी जारी रखी जाएगी। कार्यक्रम में बलराम सोनकर, भूषण धर दीवान, दिलहरण सोनकर, राजेन्द्र ध्रुव, सृजन धर दीवान, गोलू साहू, तनु दीवान, रूपेश धर दीवान, दीपक ध्रुव, शुभम धर दीवान, आदित्य सोनकर, प्रिंस सोनकर सहित वाईवासी उपस्थित रहे।

हरेली तिहार पर गुंजा 'गेड़ी तियार' बच्चों ने गेड़ी पर उटारा आनंद



नांदघाट। हरेली तिहार के अवसर पर अंचल में पारंपरिक उत्सास और उमंग का माहौल रहा। धरती पुत्र किसानों ने कृषि कार्य के बाद अपने कृषि यंत्रों को धो-पोंछकर साफ किया और विधिवत पूजा-अर्चना कर अच्छी फसल एवं समृद्धि की कामना की। हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति और लोक परंपराओं से जुड़ा प्रमुख पर्व है। इस अवसर पर घर-घर कृषि उपकरणों की पूजा के साथ पारंपरिक पकवानों का भोग लगाया गया। वहीं बच्चों के लिए परंपरागत रूप से बांस की गेड़ी तैयार की गई। गेड़ी मिलते ही बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चे गेड़ी पर चढ़कर गलियों में घूमते और अपनी कला-कौशल का प्रदर्शन करते नजर आए। 'हरेली तिहार गेड़ी तियार' की परंपरा ने पर्व के उत्साह को और बढ़ा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे पारंपरिक आयोजन नई पीढ़ी को छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

झांसा देकर 8 लाख की टग्वी, तीन गिरफ्तारी
भिलाई। वन विभाग में रेंजर पद में नौकरी लगाने का झांसा देकर आठ लाख रुपए का ठगी करने के मामले में पुलिस ने तीन को गिरफ्तार किया है। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि सेक्टर 2 निवासी दिनेश कुमार ने वर्ष 2023 में अपने बेटे को वन विभाग में रेंजर के पद पर नौकरी लगाने 8 लाख आरोपियों को दिया था।

पर्व : छत्तीसगढ़ी त्यंजन के भोग और खेल कूद का हुआ आयोजन

हरेली पर गांव-गांव गुंजा छत्तीसगढ़ी संस्कृति का स्वर, किसानों ने की कृषि औजारों की पूजा



हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ बेमेतरा

प्रकृति और परंपरा से जुड़ा पर्व

हरेली केवल कृषि औजारों की पूजा का पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण जीवनशैली, प्रकृति, श्रम और पारंपरिक व्यवसायों के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति है। लोहार द्वारा कृषि औजारों को उपयोग योग्य बनाए रखने से लेकर यादव समाज द्वारा पशुधन और औषधीय परंपराओं से जुड़ी रस्में तथा निषाद समाज द्वारा जाल ओढ़ाने की परंपरा तक, हरेली विभिन्न सामाजिक समूहों की लोक आस्थाओं और परंपराओं को एक सूत्र में पिरोता है। यही वजह है कि हरेली को छत्तीसगढ़ की मिट्टी, खेती-किसानी और लोक संस्कृति से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण पारंपरिक पर्व माना जाता है।

पशुधन की पूजा कर खिलाई औषधीय सामग्री

हरेली पर्व पर किसानों ने कृषि कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पशुधन के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की। शिक्षिका स्मिता साहू ने बताया कि ग्रामीणों ने गाय-बैलों को नहलाकर उनकी पूजा की तथा उन्हें आटे की लौंदी और औषधीय जड़ी-बूटियां खिलाई। लोकमान्यता है कि इससे पशुधन को बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाने में मदद मिलती है। हरेली के दिन ग्रामीण अंचलों में नीम की

डाल लगाने की परंपरा भी निभाई गई। यादव समाज के लोगों सहित कई ग्रामीणों ने घरों और खेतों के प्रवेश द्वार पर नीम की डालियां एवं पतियां लगाईं। लोकविश्वास के अनुसार नीम की पतियां बीमारियों और बुरी नजर से बचाव का प्रतीक मानी जाती हैं।

गेड़ी के बिना अधूरा माना जाता है हरेली का उत्सव

हरेली पर्व का सबसे आकर्षक पक्ष पारंपरिक गेड़ी है। ध्रुव साहू ने बताया कि बांस से बनी गेड़ी पर चढ़ना हरेली की पुरानी परंपरा है। गेड़ी के बिना हरेली का उत्सव अधूरा माना

जाता है। बच्चे और युवा पूरे उत्साह के साथ गेड़ी पर चढ़कर संतुलन बनाने और गेड़ी दौड़ का आनंद लेते नजर आए। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी की कारीगरी और उसके प्रदर्शन ने पर्व की पारंपरिक पहचान को जीवंत बनाए रखा।

घरों में बने छत्तीसगढ़ी पकवान

हरेली के अवसर पर घरों में तरह-तरह के पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन भी बनाए गए। गुड़ के चीले, गुलगुला भजिया, बेसन भजिया, आलुगुंडा और ऐइसा जैसे पकवान तैयार कर परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और मित्रों को खिलाया गया।

पर्व के दौरान घरों में पारंपरिक खान-पान और आपसी मेल-मिलाप का माहौल बना रहा। वहीं हरेली पर्व पर निषाद (कैवट/मल्लाह) समाज में बच्चों और परिवार के सदस्यों को मछली पकड़ने वाले पारंपरिक जाल या 'सौंखी' से ओढ़ाने की परंपरा भी देखने को मिली। लोकमान्यता के अनुसार यह रस्म नजर दोष, अनिष्टकारी शक्तियां और बुरी प्रभावों से रक्षा तथा दीर्घायु की कामना से जुड़ी है।

हरेली पर गेड़ी चढ़कर आनंदित हुए बच्चे पारंपरिक खेल ने ताजा की छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति की याद

साजा। हरेली तिहार पर गांवों में छत्तीसगढ़ी लोकपरंपराओं की जीवंत झलक देखने को मिली। किसानों ने अपने कृषि उपकरणों की साफ-सफाई कर पूजा-अर्चना की और पारंपरिक पकवानों का भोग लगाया। वहीं बच्चों में गेड़ी चढ़ने को लेकर खासा उत्साह रहा। हरेली पर घर के बड़े-बुजुर्ग बांस से गेड़ी तैयार कर बच्चों को देते हैं। गेड़ी मिलते ही बच्चे मित्र मंडली के साथ चढ़ने, चलने और दौड़ने की कला का प्रदर्शन करते हैं। अतरझोला, अकलवारा और मोहगांव में भी बच्चों ने गेड़ी चढ़कर जमकर आनंद लिया। अकलवारा के तरुण साहू, अखिलेश साहू, सनी साहू, निखिल साहू और नितेश सिन्हा ने बताया कि वे हर साल गेड़ी बनवाकर साथियों के साथ दौड़ प्रतियोगिता करते हैं। लोक संस्कृति कर्मी राम कुमार वर्मा ने बताया कि गेड़ी छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति का लोकप्रिय पारंपरिक खेल है, जो नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ता है।



प्रदेश के पारंपरिक त्योहार हरेली पर किसानों ने की कृषि औजारों की पूजा

थान खम्हरिया। हरेली पर ग्रामीण अंचलो मे दिखी छत्तीसगढ़ी लोक परंपराओ की अनूठी झलक नगर सहित ग्रामीण अंचलो मे आज प्रज्ञा के पहली पारंपरिक त्योहार हरेली के मौके पर किसानो ने कृषि औजारो हल,कुदाली,रांपा गैती,हंसियां तथा कृषि उपयोग में आने वाले ट्रैक्टर सहित विभिन्न औजारो का विधिवत पूजा अर्चना किये।औजारो की पूजा के साथ ही गेड़ी दौड़ व कबड्डी जैसे पारंपरिक खेलो की धूम भी रही।गाय बैल की पूजा नीम की टहनियों,चौखट पर कील ठोकने तथा मछली जाली ढकने की प्राचीन परंपरा को भी निभाया गया।श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनायी जाने वाली हरेली त्योहार वर्षा ऋतु पर धरती पर हरीयाली बिखरने के साथ ही खरीफ फसल की कार्य पूर्ण होने पर बडे ही उत्साह व उमंग के साथ मनायी जाती है।



सनद रहे हरेली त्योहार के दिन पूजा करने से पर्यावरण शुद्ध और सुरक्षित रहता है तथा फसल उगती है तो किसी भी प्रकार की बीमारी नहीं लगती है. हरेली तिहार मनाने से फसल को हानिकारक कीट जैसे बीमारियां दूर हो जाती है इसलिए हरेली त्योहार मनाया जाता है. हरेली त्योहार के दौरान छत्तीसगढ़ के लोग अपने-अपने खेतों में भेलवा पेड़ की शाखाएँ लगाते हैं। वे अपने घरों के प्रवेश द्वार

पर नीम के पेड़ की शाखाएँ भी लगाते हैं। नीम में औषधीय गुण होते हैं जो बीमारियों के साथ-साथ कीड़ों को भी रोकते हैं। लोहार हर घर के मुख्य द्वार पर नीम की पत्ती लगाकर और चौखट में कील ठोककर आशीर्ष देते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से उस घर में रहने वालों की अनिष्ट से रक्षा होती है ग्रामीण अंचलो में आनिष्ट की आशंकि से गांव बनाने काशकाद्य भी इसी दिन किया जाता है। हरेली पर्व में, नगर सहित ग्रामीण अंचलो में नारियल फेंक प्रतियोगिता आयोजित की गई सुबह पूजा-अर्चना के बाद, गांव के चौक-चौराहों पर युवाओं की टोली एकत्रित होती है और नारियल फेंक प्रतियोगिता जैसे वृहद आयोजन की जाती है जो छ ग की प्राचीन धरोहर को समेटे हुआ है।

हरेली पर मुख्यमंत्री निवास गेड़ी चढ़ी भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्व हरेली तिहार के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बेमेतरा भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी महिला कार्यकर्ताओं के साथ शामिल



■ भाजपा महिला मोर्चा बेमेतरा की टीम को मिला मुख्यमंत्री निवास से न्योता

हुई।मुख्यमंत्री निवास के नैवला पर पहुँची प्रज्ञा निर्वाणी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर उन्हें प्रदेश के पहले लोक तिहार हरेली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में महिला कार्यकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति और लोकजीवन की झलक प्रस्तुत करते हुए विभिन्न पारंपरिक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रज्ञा निर्वाणी ने भी गेड़ी चढ़कर हरेली की ग्रामीण परंपरा और उत्सव के आनंद को महसूस किया।मुख्यमंत्री निवास परिसर में छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति से जुड़े पारंपरिक व्यंजन भी परोसे गए, जिनका महिला कार्यकर्ताओं ने आनंद लिया। इस अवसर पर प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि, “हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की माटी, कृषि संस्कृति, प्रकृति और हमारी समृद्ध लोक परंपराओं से जुड़ा भावनात्मक उत्सव है।मुख्यमंत्री निवास में हरेली के पारंपरिक स्वरूप को जिस आत्मীয়ता और उत्साह के साथ मनाया गया, वह छत्तीसगढ़ की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का सुंदर संदेश देता है।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को हरेली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर से भाजपा कार्यकर्ता और नेता मुख्यमंत्री निवास पहुँचकर मुख्यमंत्री को हरेली की शुभकामनाएं दे रहे हैं।इससे यह संदेश जाता है कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं और संस्कृति आज भी जनजीवन की आत्मा हैं। हरेली आयोजन में जिला पंचायत सदस्य मधु राय, जिला महिला मोर्चा उपाध्यक्ष सबीना खान, पूर्व जिला अध्यक्ष ललिता साहू एवं जयश्री सोनी सहित महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

डीएवी विद्यालय जांता में हरेली त्योहार की धूम विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



बेमेतरा। डीएवी विद्यालय जांता में हरियाली त्योहार के अवसर पर प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता को लेकर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पेड़-पौधों के महत्व तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जिम्मेदारी से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण से हुई। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यालय परिसर को स्वच्छ एवं हराभरा बनाए रखने के लिए विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। हरियाली, पर्यावरण संरक्षण एवं जल बचाओ विषय पर विद्यार्थियों ने फैसली ड्रेस, पोस्टर, चित्र एवं स्लोगन प्रस्तुत किए। फैसली ड्रेस में छत्तीसगढ़ महतारी की वेशभूषा में गहना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मिताक्षी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। किसान की वेशभूषा में साहिल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा तीसरी में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रस्तुति में तुलजा एवं वन्या राजपूत ने प्रथम तथा प्रेरणा दुबे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। किसान की वेशभूषा में मिवान मिरे ने प्रथम

स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करने के साथ ही पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों ने “एक पेड़ लगाएँ, पर्यावरण बचाएँ” और “हरियाली है जीवन का आधार” जैसे स्लोगनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गेड़ी, फुगड़ी और नारियल फेंक जैसी गतिविधियों से जुड़ी संस्कृति कार्यक्रम में विद्यार्थियों को छत्तीसगढ़ की पारंपरिक एवं देशी गतिविधियों से भी परिचित कराया गया। बच्चों ने फुगड़ी, गेड़ी और नारियल फेंक जैसी पारंपरिक गतिविधियों का आनंद लिया और इनके बारे में जानकारी प्राप्त की। इससे विद्यार्थियों को पर्यावरण जागरूकता के साथ छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं परंपराओं को जानने का अवसर मिला। विद्यालय प्राचार्य पीएल जायसवाल ने विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में प्रकृति प्रेम, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

घरों और गौठानों में नीम की टहनियां लगाने की परंपरा निभाई

हरेली पर्व: कृषि औजारों की हुई पूजा, गेड़ी और पारंपरिक खेलों को लेकर बच्चों में उत्साह

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नवागढ़



विशेष आहार देने तथा घरों और गौठानों में नीम की टहनियां लगाने की परंपरा भी निभाई जाएगी। किसान मिट्ट बिसेन ने कहा कि

हरेली केवल त्योहार नहीं, बल्कि खेत, किसान, पशुधन और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। इस दिन कृषि औजारों की पूजा कर अच्छी बारिश और बेहतर फसल की कामना की जाती है। नई पीढ़ी को भी कृषि संस्कृति और पारंपरिक त्योहारों से जोड़ना जरूरी है। पर्व को लेकर बच्चों और युवाओं में भी खासा उत्साह है। गांवों में गेड़ी चढ़ने और पारंपरिक खेलों की तैयारियां शुरू हो गई हैं। हरेली के माध्यम से हरियाली, पर्यावरण संरक्षण और लोक संस्कृति को संदेश भी दिया जा रहा है। बदलते दौर में भी ग्रामीण अपनी परंपराओं को जीवंत रखते हुए हरेली को उत्साह और उमंग के साथ मनाए।



नवागढ़। स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल में हरेली पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत उपाध्यक्ष सोम ठाकुर ने छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय प्रमुख वीरेन्द्र जायसवाल उपस्थित रहे। इस अवसर पर गेड़ी दौड़, फुगड़ी, खिलख, नारियल फेंक और रत्नो साइकिलिंग सहित विभिन्न पारंपरिक खेल आयोजित हुए। पोस्टर निर्माण व तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सोम ठाकुर ने कहा कि हरेली पर्व बच्चों को प्रकृति, कृषि और छत्तीसगढ़ी संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है। कार्यक्रम में शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

online Booking:- www.tripuryatra.com

स्वधिया ज्योदा सबसे कम राशि पर

स्वेटल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)

कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर

रामेश्वरम् धाम यात्रा

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी

राशि :- स्त्रीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAJUR- 934, Sector-4, Kame Vihar, KORBA- Shop No. 341,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करें:- 7354-411411